योगी बोले- 2017 से पहले रिश्वत से मिलती थी नौकरी लेकिन अब नियुक्ति व तैनाती में नहीं होता भेदभाव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो कर नहीं पाए, वे हमेशा बोलेंगे। जिन्होंने अपनी अकर्मण्यता और अक्षमता से उत्तर प्रदेश को बीमारू बनाया, उनके निकम्मेपन और निठल्लेपन को यूपी और देश देख चुका है। विपक्ष के ऐसे लोगों को आज यूपी पुलिस या प्रदेश की व्यवस्था पर बोलने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विपक्ष गिनता जाए, सरकार नियुक्तियां देती जाएगी। शनिवार को 818 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए, रविवार को 912 को दिए जा रहे हैं और अब 22 सितंबर को फिर नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। अगले छह महीने में एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने के साथ प्रदेश में हर सप्ताह एक बड़ा भर्ती इवेंट होगा।

मुख्यमंत्री योगी रविवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की लिपिक संवर्ग सीधी भर्ती-2023 के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पुलिस उपनिरीक्षक गोपनीय, पुलिस सहायक उपनिरीक्षक लिपिक और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक लेखा के पदों पर चयनित 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री योगी ने सभी नवचयनित अभ्यर्थियों

को यूपी पुलिस का हिस्सा बनने पर बधाई दी।

पारदर्शी चयन शासन के प्रति विश्वास का प्रतीक : कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब किसी योग्य अभ्यर्थी का चयन शुचितापूर्ण और पारदर्शी परीक्षा के माध्यम से होता है तो यह केवल उसके परिवार के लिए उपलब्धि नहीं होती, बल्कि शासन के प्रति आम आदमी के विश्वास का भी प्रतीक बनता है। 2017 से पहले भर्ती प्रक्रिया की विसंगतियों के कारण नौजवानों में निराशा और हताशा थी। भाई-भतीजावाद ने पूरे सिस्टम को इस तरह जकड़ रखा था कि पारदर्शिता और शुचिता की कल्पना नहीं की जा सकती थी।

उन्होंने कहा कि भर्ती का विज्ञापन आते ही युवाओं के मन में यह भाव आता था कि बिना सिफारिश और लेनदेन के चयन नहीं हो पाएगा। परीक्षा और चयन प्रक्रिया की शुचिता पर सवाल खड़े होते थे और पेपर लीक के मामले सामने आते थे। मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि यूपी पुलिस में ऐसी भर्तियां भी हुईं, जिनमें परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र किसी दूसरे को मिलता था। जो अभ्यर्थी आवेदन तक नहीं करते थे, उन्हें नियुक्ति पत्र बांट दिए जाते थे और योग्य अभ्यर्थियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था।

नियुक्ति से तैनाती तक सिफारिश की जरूरत नहीं : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद भर्ती प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुधार किए गए। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और शिक्षा से जुड़ी भर्ती प्रक्रियाओं में बदलाव किया गया। समूह ग और घ की भर्ती से साक्षात्कार समाप्त किया गया, ताकि योग्य अभ्यर्थी को किसी स्तर पर भेदभाव का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि अब विज्ञापन से लेकर परीक्षा, नियुक्ति पत्र, प्रशिक्षण और जिलों में तैनाती तक किसी अभ्यर्थी को सिफारिश कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। किसी के साथ भेदभाव भी नहीं होगा। हर व्यक्ति को उसकी योग्यता, क्षमता और प्रदर्शन के आधार पर अवसर मिलेगा।

साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को मिली नियुक्ति : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के बाद भर्ती प्रक्रिया में किए गए बदलावों का परिणाम है कि साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश शासन में सेवा का अवसर मिला है। भर्ती की कई प्रक्रियाएं आगे बढ़ रही हैं।

दंगा और कर्फ्यू वाले यूपी की बदली पहचान : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के लोगों को प्रदेश से बाहर अपनी पहचान छिपानी पड़ती थी। यूपी में अवसर नहीं थे। हर दूसरे दिन दंगे होते थे और महीनों कर्फ्यू रहता था। बरेली, अलीगढ़, मेरठ और मुजफ्फरनगर समेत अलग-अलग हिस्सों में दंगों की स्थिति रहती थी।

बरेका में रेलवे सुरक्षा बल का 42वां स्थापना दिवस उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में रेलवे यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की संरक्षा एवं रेल व्यवस्था में सुरक्षा का भरोसा मजबूत करने वाले रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ़) का 42वां स्थापना दिवस रविवार को बरेका परिसर में मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल ने बरेका में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान आरपीएफ़ अधिकारियों एवं बल सदस्यों ने 'रन फॉर यूनिटी', योग कार्यक्रम, वृक्षारोपण तथा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत स्वच्छता गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। 'रन फॉर यूनिटी' के माध्यम से एकता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया गया, वहीं योग कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली एवं शारीरिक-मानसिक फिटनेस के महत्व को रेखांकित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए रेल सुरक्षा बल के अफसरों व जवानों ने बैरक परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उपस्थित रेल सुरक्षा बल सदस्यों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत बैरक परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई। इसके माध्यम से स्वच्छ परिसर, स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। बताते चलें कि 20 सितंबर 1985 को रेलवे सुरक्षा बल को संघ के सशस्त्र बल का दर्जा प्रदान किए जाने के साथ वर्तमान स्वरूप मिला। रेलवे सुरक्षा बल

अधिनियम, 1957 में संशोधन के बाद यह प्रावधान 20 सितंबर 1985 से प्रभावी हुआ। रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ़) का दायित्व रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ यात्रियों एवं यात्री क्षेत्र की सुरक्षा से भी जुड़ा है। स्थापना दिवस के कार्यक्रम में प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, सहायक सुरक्षा आयुक्त सहित रेल सुरक्षा बल के निरीक्षक एवं बल सदस्य उपस्थित रहे।

टायर फटने से पशु आहार लदा ट्रक हाईवे पर पलटा, चालक-खलासी बाल-बाल बचे

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, जौनपुर : उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में जलालपुर थाना क्षेत्र के इंजरी गांव के पास रविवार सुबह वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर टायर फटने से पशु आहार से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक और खलासी बाल-बाल बच गए।

दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर आवागमन प्रभावित रहा। ट्रक बिहार के कुल्हड़िया से पशु आहार लादकर हैदरगढ़-जगदीशपुर जा रहा था। रविवार सुबह जलालपुर थाना क्षेत्र के इंजरी गांव के पास पहुंचते ही अचानक ट्रक का टायर फट गया। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक असंतुलित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक रामू गुप्ता निवासी बखरपुर, बहराइच और खलासी

श्यामू निवासी ईसानगर, लखीमपुर खीरी सुरक्षित बच गए। चालक ने तत्काल घटना की सूचना वाहन मालिक को दी।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क पर बिखरे सामान को हटवाकर आवागमन सुचारू कराया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार ने बताया कि ट्रक पलटने की सूचना मिली थी। चालक और खलासी सुरक्षित हैं तथा घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि ट्रक ओवरलोड पाया गया है, जिसके संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

देवकली मंदिर में 5100वां पौधा रोपकर जीवनधारा अभियान का समापन

औरैया । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से चलाए जा रहे जीवनधारा पौधारोपण अभियान का रविवार को देवकली मंदिर परिसर में 5100वां पौधा रोपकर समापन किया गया। पांच जून विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू हुए अभियान के तहत शहर के प्रमुख मंदिरों, सार्वजनिक पार्कों, स्कूलों, ऐतिहासिक धरोहरों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थानों, प्रमुख चौराहों और धार्मिक स्थलों को क्लीन व ग्रीन रखने के उद्देश्य से पौधारोपण किया गया। समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व रविवार सुबह सात बजे में देवकली मंदिर परिसर में अंतिम 5100वां पौधा रोपा गया। पौधारोपण के बाद अभियान का समापन किया गया।

पितृपक्ष की शुरूआत 26 से, पिशाचमोचन कुंड पर कर्मकांडी ब्राम्हणों ने तैयारियां शुरू कीं

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में पितृपक्ष को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। विमल तीर्थ पिशाचमोचन कुंड और गंगा तट पर बाढ़ का पानी उतरने के बाद कर्मकांडी ब्राह्मणों ने पिंडदान, तर्पण और त्रिपिंडी श्राद्ध के लिए व्यवस्थाएं शुरू कर दी हैं। वहीं, सनातनी परिवारों में भी अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए घरों की साफ-सफाई और श्राद्ध कर्म की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सनातन परंपरा में पितृपक्ष को पूर्वजों के स्मरण और उनके प्रति श्रद्धा अर्पित करने का विशेष काल माना जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में पितरों का पृथ्वी लोक पर आगमन होता है और वे अपने वंशजों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इसी मान्यता के तहत लोग घरों और पवित्र तीर्थस्थलों पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान और दान करते हैं। पितृपक्ष की शुरुआत आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से मानी जाती है, जबकि इसकी शुरुआत पूर्णिमा श्राद्ध से होती है। इस वर्ष पूर्णिमा श्राद्ध 26 सितंबर शनिवार को होगा। इसके बाद प्रतिपदा श्राद्ध 27

सितंबर रविवार, द्वितीया 28 सितंबर सोमवार और तृतीया 29 सितंबर, मंगलवार को होगा चतुर्थी और पंचमी तिथि का श्राद्ध 30 सितंबर बुधवार को, षष्ठी 01 अक्टूबर गुरुवार को, सप्तमी 02 अक्टूबर शुक्रवार को और अष्टमी 03 अक्टूबर शनिवार को होगा।

इसी तरह नवमी का श्राद्ध 04 अक्टूबर रविवार, दशमी 05 अक्टूबर सोमवार और एकादशी 06 अक्टूबर मंगलवार को होगा। द्वादशी 07 अक्टूबर बुधवार, त्रयोदशी 08 अक्टूबर गुरुवार और चतुर्दशी 09 अक्टूबर शुक्रवार को होगी। पितृपक्ष का समापन सर्वपितृ अमावस्या के साथ 10 अक्टूबर शनिवार को होगा। वाराणसी के पिशाचमोचन कुंड स्थित शेरवाली कोठी के कर्मकांडी पंडित प्रदीप पांडेय ने बताया कि पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म सामान्यत: दोपहर के समय दक्षिण दिशा की ओर मुख करके किया जाता है। श्राद्ध कर्म में पिता, पितामह और प्रपितामह तथा माता, मातामह और प्रमातामह सहित तीन-तीन पीढ़ियों के पितरों का तर्पण किया जाता है। उन्होंने बताया कि तर्पण के दौरान हाथों में जल, काला तिल और कुश लेकर अंगूठे और तर्जनी के मध्य से जल अर्पित करते हुए '? पितृभ्य: स्वधायैभ्य: स्वधा नम:' मंत्र का उच्चारण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्राद्ध और तर्पण से पितरों की तृप्ति और आत्मशांति होती है। पितृदोष से जुड़े धार्मिक विश्वासों में भी पितृपक्ष के दौरान किए जाने वाले श्राद्ध और तर्पण को महत्वपूर्ण माना जाता है। जिन लोगों को अपने पितरों की पुण्यतिथि ज्ञात नहीं होती, वे परंपरा के अनुसार पूरे पितृपक्ष में तर्पण कर सकते हैं और सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का विसर्जन करते हैं। काशी के पिशाचमोचन कुंड और गंगा तट पर इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए कर्मकांडी ब्राह्मणों ने अनुष्ठानों के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।

आपका राशिफल 21 सितम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक 1 5 7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक 2 4 6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक 3 5 6

हामिद अंसारी के बयान पर योगी का पलटवार संवैधानिक पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए

मुख्यमंत्री ने सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए आपत्ति जताई

नईदुनिया ब्यूरो, ग्रेटर नोएडा: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनका बयान दुर्भाग्यपूर्ण और डरावना है। ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित प्रेरणा विमर्श कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर रहने वाले व्यक्ति से उस पद की गरिमा के अनुरूप व्यवहार की अपेक्षा होती है। उन्होंने कहा कि निजी राय अलग हो सकती है, लेकिन भारत की बात आने पर संविधान की पवित्रता, देश की एकता और अखंडता का ध्यान रखा जाना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि अंसारी ने भारत की सनातन परंपरा और हिंदू परंपरा को लेकर ऐसे बयान दिए, जिन्हें उन्होंने भारतीय संस्कृति के लिए अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों से देश की छवि प्रभावित होती है।

हामिद अंसारी ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एजी नूरानी स्मृति व्याख्यान में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के एक पुराने कथन का उल्लेख किया था। उन्होंने एजी नूरानी की पुस्तक का हवाला देते हुए कहा था कि भारत के लिए खतरा साम्यवाद नहीं, बल्कि हिंदू दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता है। अंसारी ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जुड़े रुझानों पर भी चिंता जताई थी। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी

का नाम लिए बिना भी उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों का सम्मान भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों में ऐसे संस्कार नहीं हैं, उनसे 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना समझने की उम्मीद नहीं की जा सकती। दरअसल, इंदौर में राहुल गांधी के छात्रों के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल किए जाने और 'मां को कुर्सी दो' जैसी टिप्पणी का भी उल्लेख सामने आया था। इस पर भाजपा ने राहुल गांधी की आलोचना की थी। योगी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय परंपरा, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों का भी उल्लेख किया।

राजनीतिक मतभेद पर 10 वरिष्ठ आईएएस अफसरों के तबादले

लखनऊ: राजनीतिक मतभेद पर उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार रात 10 वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल किया। इनमें तीन अपर मुख्य सचिव और सात प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हैं। आशीष कुमार गोयल को ऊर्जा विभाग से हटाकर अपर मुख्य सचिव श्रम एवं सेवायोजन बनाया गया है। वहीं अनिल कुमार को पंचायती राज विभाग से हटाकर प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता मामले और आयुक्त खाद्य एवं रसद की जिम्मेदारी दी गई है। अमृत अभिजात को अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य के साथ अपर मुख्य सचिव परिवहन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इससे पहले परिवहन विभाग की जिम्मेदारी अर्चना अग्रवाल के पास थी। वी. हेकाली झिमोमी को वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन विभाग से हटाकर प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा बनाया गया है। महेंद्र प्रसाद अग्रवाल को उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव पद से हटाकर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। डॉ. एमकेएस सुंदरम को कृषि विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। रविंद्र कुमार को पंचायती राज विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। रणवीर प्रसाद को प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी के साथ उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और यूपीएसएलडीसी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। अमित गुप्ता को वर्तमान जिम्मेदारियों के साथ प्राविधिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को उच्च शिक्षा विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। तबादलों में अनिल कुमार का पंचायती राज से हटना भी शामिल है। उनके विभाग में पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना को लेकर मंत्री ओम प्रकाश राजभर के साथ मतभेद की बात सामने आई थी।

ओवैसी ने सपा पर साधा निशाना गठबंधन का खुला प्रस्ताव

नईदुनिया ब्यूरो,कानपुर: ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कानपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव सामने है और कहा जा रहा है कि 'भैया आ रहे हैं'। ओवैसी ने सवाल किया कि अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते क्या हुआ था और कितने दंगे हुए थे। उन्होंने मुजफ्फरनगर की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 50 हजार लोग अपने घर और गांव से बेघर हुए थे।

ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार को दोबारा बनने से रोकने के लिए उनकी पार्टी विपक्षी दलों के साथ गठबंधन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विभिन्न राजनीतिक साथियों से बातचीत की गई है। ओवैसी ने कहा कि 2 अक्टूबर तक इंतजार किया जाएगा और इसके बाद जिस दल से गठबंधन होगा, उसका ऐलान किया जाएगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में मुसलमानों की राजनीतिक भागीदारी और उनकी स्थिति का मुद्दा भी उठाया। बिहार विधानसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां ढ्स्ढ्रूने विपक्षी दलों से गठबंधन के लिए छह सीटों की मांग की थी, लेकिन सहमति नहीं बनी। ओवैसी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात का भी जिक्र किया और सड़क तथा पुल से जुड़े कार्यों पर चर्चा की बात कही। उन्होंने पार्टी के उत्तर प्रदेश संगठन को मजबूत करने की बात कही। सभा में प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि ढ्स्ढ्रू कानपुर की सभी विधानसभा सीटों पर सक्रिय रहेगी। उन्होंने मस्जिदों और दरगाहों से जुड़े मुद्दे भी उठाए। कानपुर में ओवैसी की यह तीसरी जनसभा बताई गई। इससे पहले 2021 में उन्होंने जाजमऊ और जीआईसी मैदान में जनसभाएं की थीं।

खंड - I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना मध्यप्रदेश शासन
कार्यालय- कार्यालय पर्यावरण वानिकी वनमंडल, भोपाल मध्यप्रदेश
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 12 /ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 21.09.2026

1. कार्यालय पर्यावरण वानिकी वनमडंल, भोपाल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	इकाई	निविदा दस्तावेजों का मूल्य	सत्यांकर राशि	निष्पादन सुरक्षा राशि
1.	Hume pipe 300mmx2.5m (type NP-2, NP-3, NP-4)	प्रति रनिंग मी.	500	1200	1200
2.	Poly Bag is 15x25 cm in size, 100 micron(400 gauge), UV stabilized material, per KG minimum of 145 poly bags and a warranty of minimum usage for 2 years without tearing with exposure to sunlight and water.	प्रति कि.ग्राम.			
3.	Poly Bag is 20x30 cm in size, 125 micron (500 gauge), UV stabilized material, per KG minimum of 70 poly bags and a warranty of minimum usage for 2 years without tearing with exposure to sunlight and water.	प्रति कि.ग्राम.			
4.	Profile sheet 0.5 MM 1.20mtr Width 3 mitr length	प्रति वर्गफीट			
5.	LDPE SHEET - Natural Compound / Black Compound Conforming size: 10.25 m x 1.25 m Minimum thickness: 125 micron Gauge: 500 gauge Weight: 3 kg ± 10% per bed	प्रति कि.ग्राम.			

2. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है। 3. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/ क्रेडिट/ डेबिट/ कैश कार्ड/ इंटरनेट बैकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 21.09.2026 शाम 6.00 बजे से दिनांक. 12.10.2026 शाम 6.00 बजे तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है। 4. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी। 5. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र /परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं। 6. ई- प्रोक्योरमेंट पोर्टल: https://www.mptenders.gov.in/

जी-18846/26 **वनमंडलाधिकारी, पर्यावरण वानिकी वनमंडल, भोपाल**